यूनियन बैंक
ऑफ इंडिया

Union Bank
of India

अपनी सुरक्षा अपने हाथ

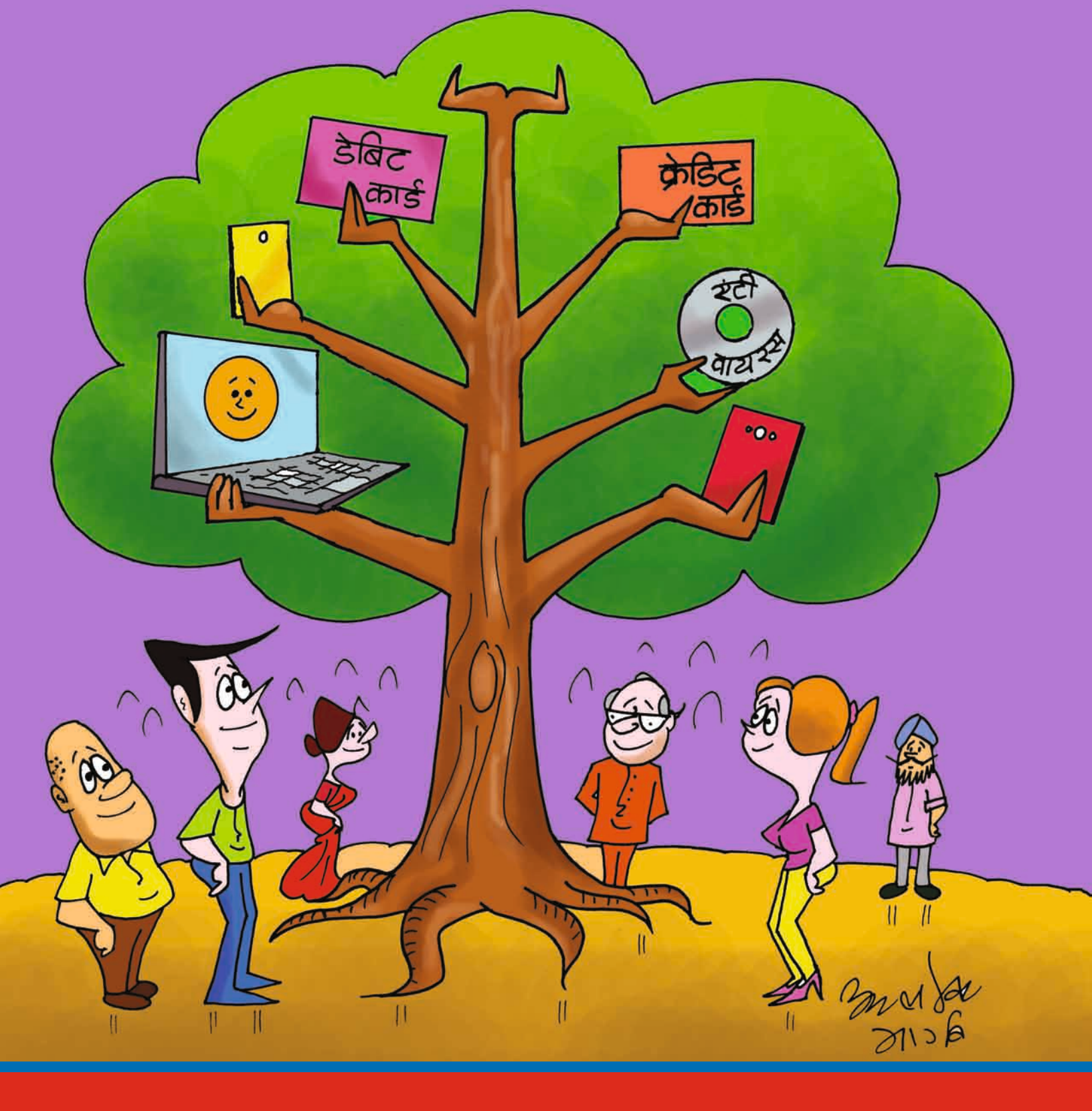

आजकल बैंक से लेन-देन कितना आसान हो गया है. किसी को भुगतान करना है, बिल पेमेंट, चेकबुक की रिक्वेस्ट या सावधि जमा रसीद, सब घर बैठे-बैठे करा सकते हैं.
गुप्ता ट्रेडिंग कंपनी
मैं तो सारा व्यापार डिजिटल ही कर लेता हूं.
इससे जीवन और व्यापार की गति बहुत तेज हो गई है.
गति जितनी तेज होती है, खतरे भी उतने ही अधिक होते हैं.
सेठजी, आपके दादा बैलगाड़ी से यात्रा करते थे और आप कार से. उसकी रफ्तार भी तो तेज है.
कैसी बातें करते हो. कार तो मैं यातायात के नियमों को ध्यान में रख कर चलाता हूं. फिर उसमें ब्रेक, सीट बेल्ट, एयरबैग जैसे बचाव के उपकरण भी तो हैं.
यही तो मैं कह रहा हूं.

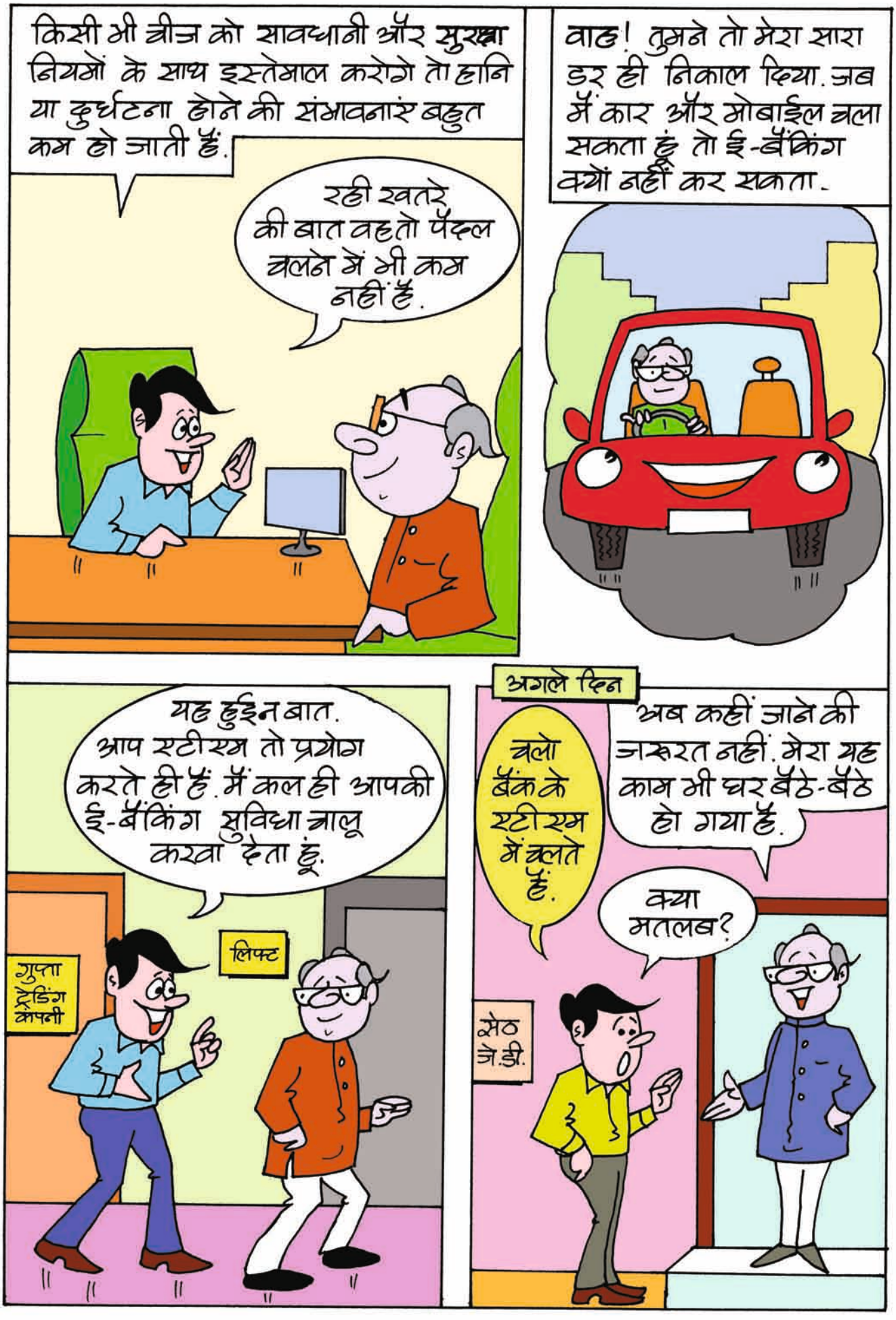
किसी भी बीज को सावधानी और सुरक्षा नियमों के साथ इस्तेमाल करोगे तो हानि या दुर्घटना होने की संभावनाएं बहुत कम हो जाती हैं.
रही खतरे की बात वह तो पैदल चलने में भी कम नहीं है.
वाह! तुमने तो मेरा सारा डर ही निकाल दिया. जब मैं कार और मोबाईल चला सकता हूं तो ई-बैंकिंग क्यों नहीं कर सकता.
यह हुई न बात. आप एटीएम तो प्रयोग करते ही हैं. मैं कल ही आपकी ई-बैंकिंग सुविधा चालू करवा देता हूं.
गुप्ता ट्रेडिंग कंपनी
लिफ्ट
अगले दिन
चलो बैंक के एटीएम में चलते हैं.
अब कहीं जाने की जरूरत नहीं. मेरा यह काम भी घर बैठे-बैठे हो गया है.
क्या मतलब?
सेठ जे.डी.

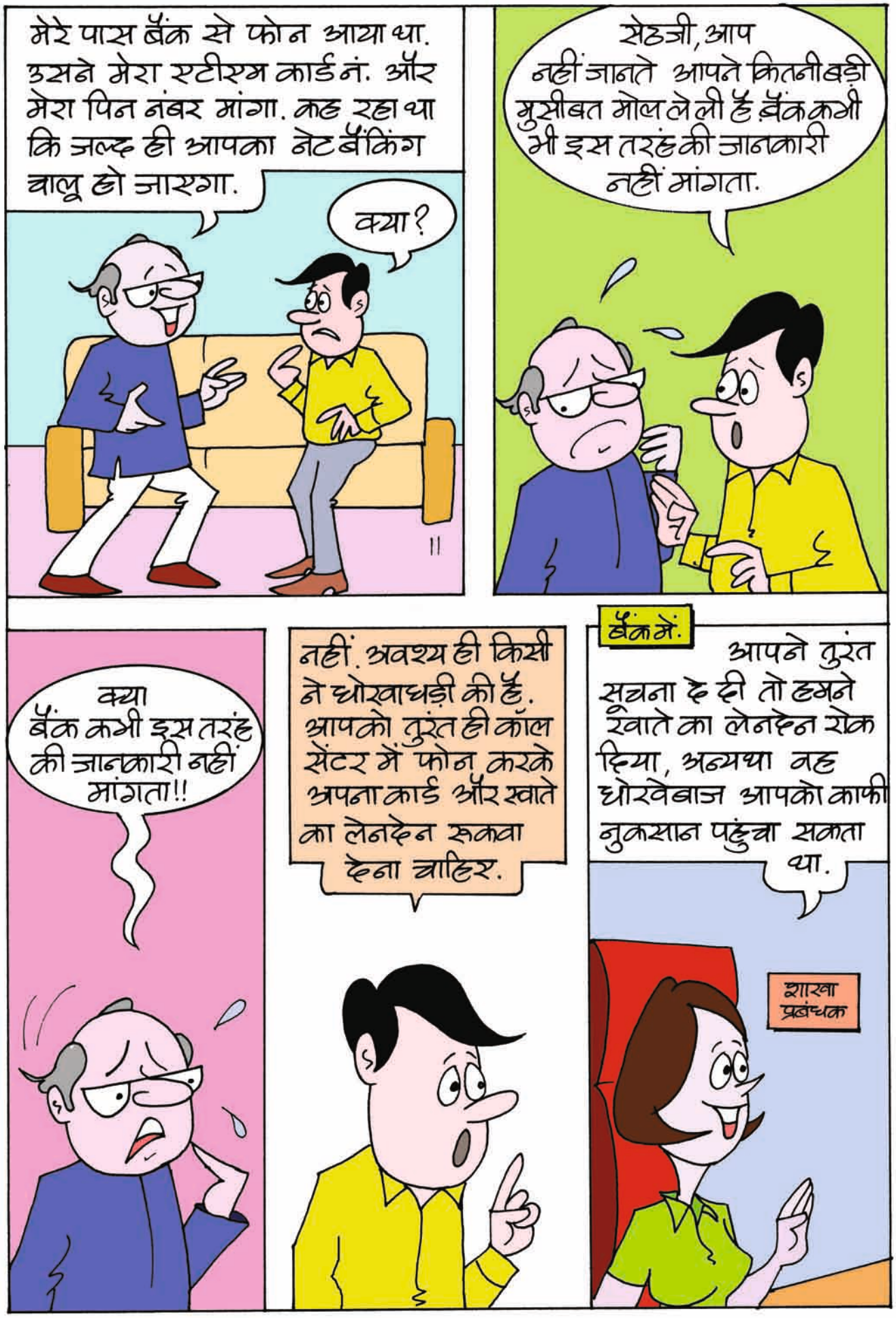
मेरे पास बैंक से फोन आया था. उसने मेरा एटीएम कार्ड नं. और मेरा पिन नंबर मांगा. कह रहा था कि जल्द ही आपका नेट बैंकिंग चालू हो जाएगा.
क्या?
सेठजी, आप नहीं जानते आपने कितनी बड़ी मुसीबत मोल ले ली है. बैंक कभी भी इस तरह की जानकारी नहीं मांगता.
क्या बैंक कभी इस तरह की जानकारी नहीं मांगता!!
नहीं. अवश्य ही किसी ने धोखाधड़ी की है. आपको तुरंत ही कॉल सेंटर में फोन करके अपना कार्ड और खाते का लेनदेन रुकवा देना चाहिए.
बैंक में.
आपने तुरंत सूचना दे दी तो हमने खाते का लेनदेन रोक दिया, अन्यथा यह धोखेबाज आपको काफी नुकसान पहुंचा सकता था.
शाखा प्रबंधक

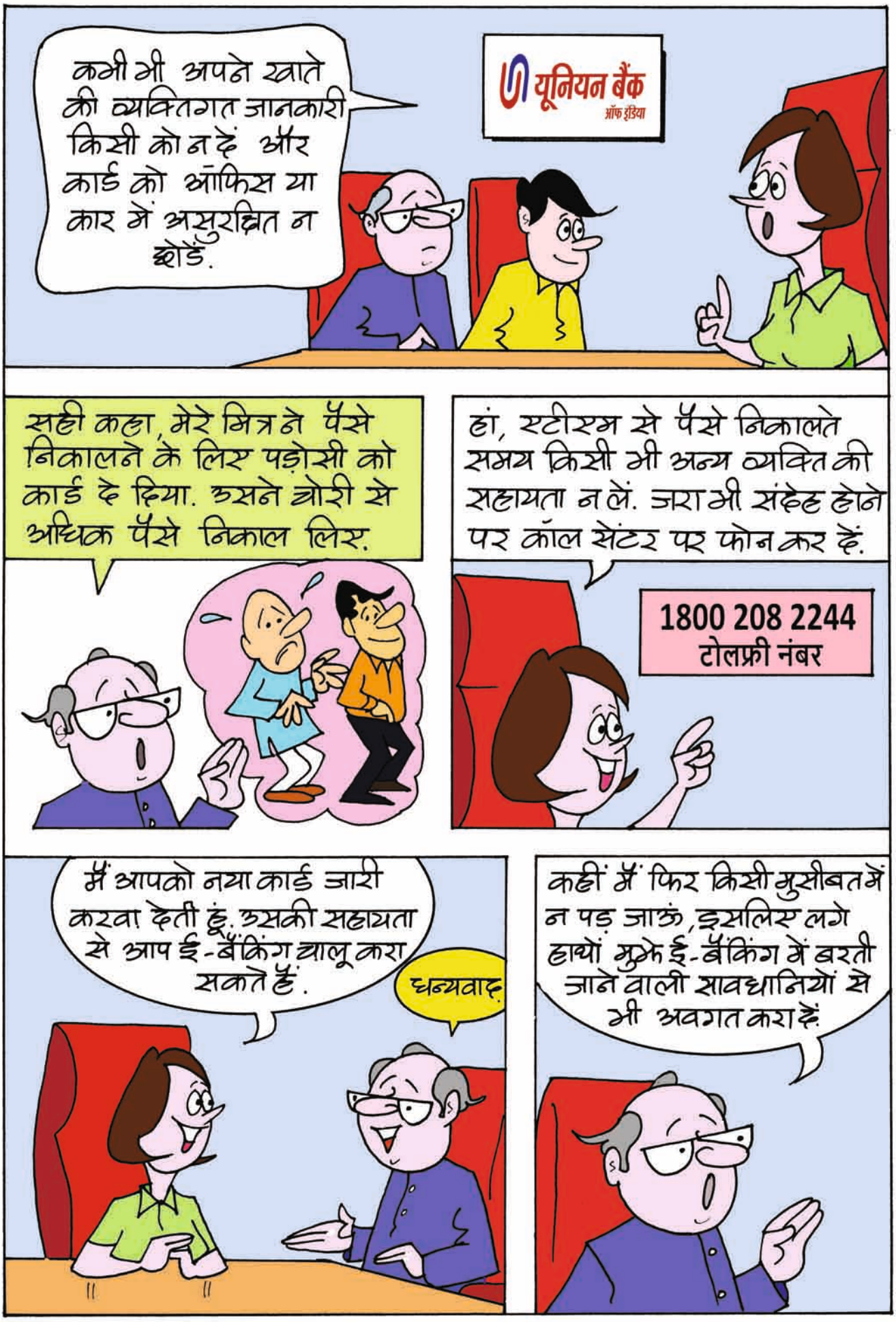
कभी भी अपने खाते की व्यक्तिगत जानकारी किसी को न दें और कार्ड को ऑफिस या कार में असुरक्षित न छोड़ें.
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
सही कहा, मेरे मित्र ने पैसे निकालने के लिए पड़ोसी को कार्ड दे दिया. उसने चोरी से अधिक पैसे निकाल लिए.
हां, एटीएम से पैसे निकालते समय किसी भी अन्य व्यक्ति की सहायता न लें. जरा भी संदेह होने पर कॉल सेंटर पर फोन कर दें.
1800 208 2244
टोलफ्री नंबर
मैं आपको नया कार्ड जारी करवा देती हूं. उसकी सहायता से आप ई-बैंकिंग चालू करा सकते हैं.
धन्यवाद.
कहीं मैं फिर किसी मुसीबत में न पड़ जाऊं, इसलिए लगे हाथों मुझे ई-बैंकिंग में बरती जाने वाली सावधानियों से भी अवगत करा दें.

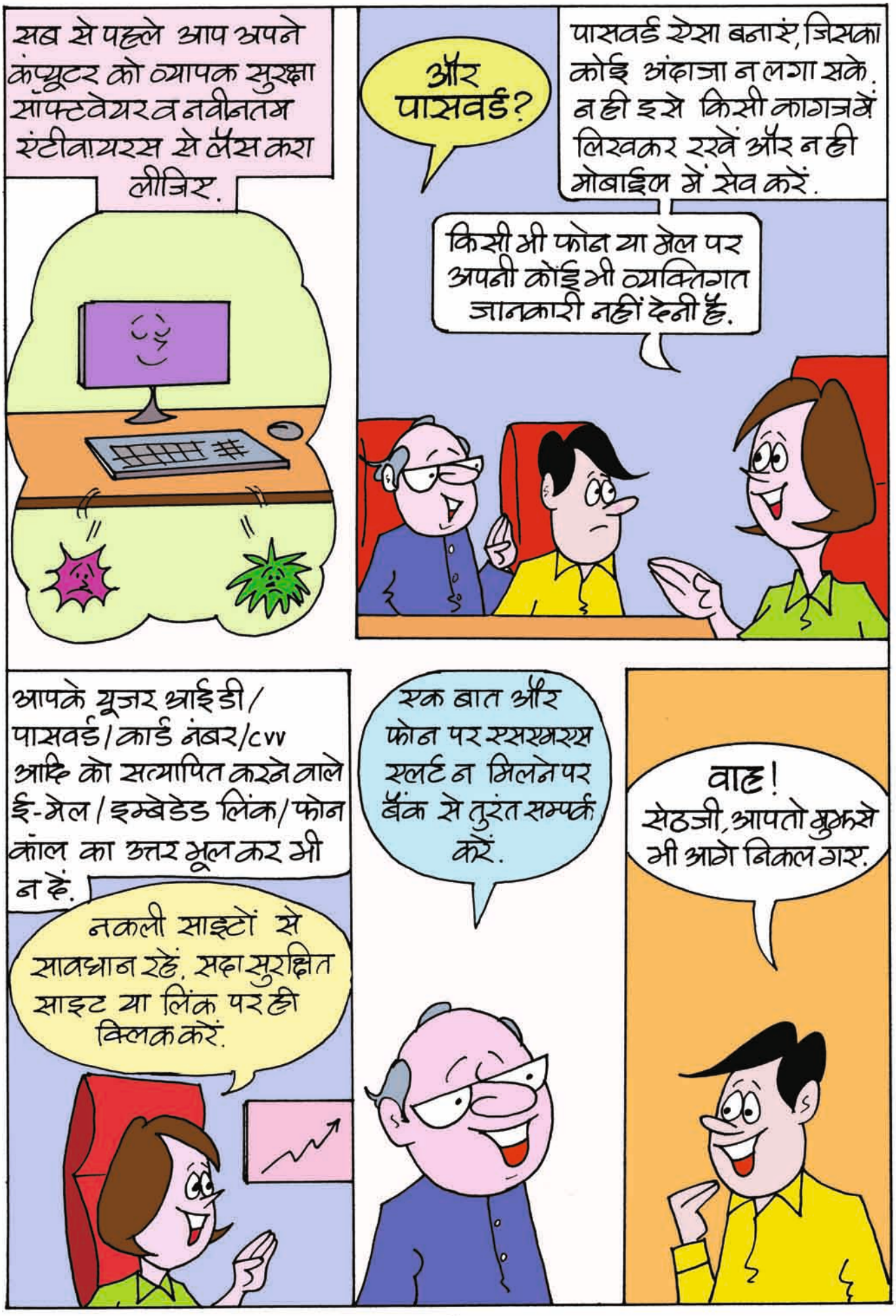
सब से पहले आप अपने कंप्यूटर को व्यापक सुरक्षा सॉफ्टवेयर व नवीनतम एंटीवायरस से लैस करा लीजिए.
और पासवर्ड?
पासवर्ड ऐसा बनाएं, जिसका कोई अंदाजा न लगा सके. न ही इसे किसी कागज में लिखकर रखें और न ही मोबाइल में सेव करें.
किसी भी फोन या मेल पर अपनी कोई भी व्यक्तिगत जानकारी नहीं देनी है.
आपके यूजर आईडी/ पासवर्ड/कार्ड नंबर/cvv आदि को सत्यापित करने वाले ई-मेल/इम्बेडेड लिंक/फोन कॉल का उत्तर भूल कर भी न दें.
नकली साइटों से सावधान रहें, सदा सुरक्षित साइट या लिंक पर ही क्लिक करें.
एक बात और फोन पर एसएमएस एलर्ट न मिलने पर बैंक से तुरंत सम्पर्क करें.
वाह! सेठजी, आप तो मुझसे भी आगे निकल गए.

यहां तो मुफ्त वाई-फाई है, फ्री आडियो वीडियो और डाउनलोड करने को एप्स भी.
डी मॉल
वाह! क्या बात है.
करण, तुम डाउनलोड क्यों नहीं कर रहे. चलो, ब्लू टूथ चालू करो. मैं अपनी फोटो भेज रही हूं.
मेरे पापा ने ऐसी जगहों पर फोन को जोड़ने या ब्लू टूथ का उपयोग करने से मना कर रखा है.
अरे यार, तुम तो अभी तक पापा बेबी बने हुए हो. छोड़ो भी यह सब बातें.
ऐसा नहीं है. मेरे पापा बैंक मैनेजर हैं, उनका कहना है कि सुरक्षा कारणों से यह ठीक नहीं. हमारा गोपनीय डाटा चोरी हो सकता है.
फ्री वाई फाई
अरे बुद्धू, फिर ऐसा करने से तुमने मुझे क्यों नहीं रोका?
फ्री एप्स

कैसे रोकता, पापा बेबी की सुनता ही कौन है?
सॉरी बेबी, अच्छा तुम्हारे पापा ने और क्या क्या बताया है?
यह कि अपने फोन में कोई अच्छा एंटी वायरस रखो, यह फायदेमंद हो सकता है. फोन खोने की सूचना बैंक को तुरंत दो.
और हां ध्यान रहे, बैंकिंग अंतरण के दौरान फोन पर उपलब्ध अन्य सुविधाओं का उपयोग करने से बचें.
अपना पासवर्ड एमपिन या ओटीपी किसी को भी नहीं बताना चाहिए.
हैं! क्या ऐसा भी हो सकता है?
बिल्कुल
ठीक है पापाबेबी, आगे से मैं ध्यान रखूंगी और तुम्हें भी कुछ नहीं बताऊंगी.

पांडेजी के घर में
देखो, मेरा भी क्रेडिट कार्ड आ गया. अब मैं जब चाहे शॉपिंग कर सकती हूं.
चलो, मेरी जान छूटी.
इसे संभाल कर रखना और बही इसका विवरण किसी को देना.
एक दिन
यह क्या पर्चियां नष्ट कर रही हो?
न जाने कार्ड कहां खो गया है. इसके पुराने बिल रख कर क्या करूं?
कमाल करती हो! पहले अपने खाते के विवरण से बिलों को तो मिला लो.

कोई भी कागज जिस पर कार्ड की जानकारी हो फाड़ कर फेंक दो.
पर तुम्हारा कार्ड खोया कहां?
शायद रेस्टोरेंट में. आखिर में हमने वहीं पिज्जा खाया था.
मैडम, यह क्रेडिट कार्ड है, कोई टिप नहीं. भुगतान के बाद अपना कार्ड वापस लेना याद रखना चाहिए था.
किसी ने इसका गलत उपयोग कर लिया तो?
हाय! यह तो मैंने सोचा ही नहीं था.
अब मैं क्या करूं?

ऐसी हालत में तुरंत कॉल सेंटर पर कार्ड खो जाने की सूचना दो.
1800 22 3222
टोलफ्री नंबर
एक दिन
अरे, सेठजी बहुत दिनों बाद दिखाई दिए. पहले तो नकदी जमा कराने चेक जमा कराने लगभग रोज ही बैंक आते थे.
आप ठीक कहती हैं.
सब डिजिटल बैंकिंग का कमाल है. इससे ग्राहक और बैंक दोनों का कीमती समय बचता है.
ठीक कहती हैं, यही नहीं हमारा व्यापार भी पहले से बढ़ गया है.
वह कैसे?
मुद्रा तान
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

आलोक भार्गव द्वारा रेखांकित व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, कें.का. मुंबई के राजभाषा कार्यान्वयन प्रभाग द्वारा डिजिटल बैंकिंग विभाग के समन्वयन से प्रकाशित.